जैन भारती मृगावती विद्यालय

हिंदी विभाग

विज़न

मिशन

उद्देश्य कथन

लक्ष्य

आधारभूत मूल्य

कार्य योजना

विज़न

विद्यार्थी भाषा व साहित्य प्रेमी, जिज्ञासु, संवेदनशील सृजनशील एवं रचनाधर्मी बनें ताकि वे भविष्य में सजग तथा समर्थ नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें।

मिशन

संस्कार युक्त शिक्षा द्वारा विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी में भाषा कौशलों का विकास करना एवं उसकी सृजनात्मक प्रतिभा को संवर्धित करते हुए उसे सुयोग्य बनाना हमारा विभागीय मिशन है।

उद्देश्य कथन

भाषा एवं साहित्य में अभिरुचि जागृत करने हेतु विद्यार्थियों में भाषा – कौशल का विकास करना ताकि वे भाषा सम्बन्धी गतिविधियों व प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें तथा सृजनशील बनकर जीवन – मूल्यों के बारे में जागरुक हो सकें ।

लक्ष्य

- भाषा व साहित्य अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
- विद्यार्थियों में भावात्मक एवं विचारात्मक अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना।
- आधुनिक शिक्षण अधिगम विधि एवं तकनीक को अपनाना।
- विद्यार्थियों में जीवन मूल्यों का संवर्धन करना।
- विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता को पहचान कर उसे संपोषित एवं संवर्धित करना।

आधारभूत मूल्य

- व्यक्तिगत पहुंच की प्रक्रिया को अपनाना
- विषय के प्रति प्रेम
- विषय वस्तु की स्पष्टता
- संस्कार युक्त शिक्षा
- P-FOG
  - P- स्वनिर्माण एवं नियंत्रण
    - सतत अधिगम (IQ)
    - चुनौती स्वीकारना (SQ)
    - समभाव का अभ्यास (EQ)
- F - क्षमा
- O – परहित
- G – कृतज्ञता आनंद
- आनंद और सफलता

कार्य योजना

- शिक्षक -शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों के लिए सेमिनार, कार्यशाला आदि का आयोजन।
- शिक्षण -अधिगम प्रक्रिया को रुचिकर एवं बोधगम्य बनाना।
- समयानुरूप वाद-विवाद आशुवाचन,लेखन आदि गतिविधियों का आयोजन।
- पाठ्य सहगामी विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना।
- विद्यार्थियों को e-content पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थियों को हिंदी व संस्कृत विषयों में रोजगार संभावनाओं की जानकारी प्रदान करना।